भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1285
उत्तर दिनांक 31/07/2025 को दिया गया

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड हेतु निधि

1285. श्री आर. गिरिराजन

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) देश में कैंसर रोगियों के लिए एक समान उच्च गुणवत्ता वाला उपचार और चिकित्सा देखभाल उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी) के प्रभावी प्रचालन हेतु अधिक निधि उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या सरकार की एनसीजी के अंतर्गत कैंसर अस्पतालों और अनुसंधान केंद्रों की संख्या बढ़ाने की कोई योजना है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश में कैंसर रोगियों के आंकड़े एकत्रित करने और संकलित करने हेतु एनसीजी द्वारा कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पहले चरण में परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) ने राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड को 72 करोड़ रुपए की अनुदान सहायता प्रदान की थी। चरण-I के पूरा होने पर, डीएई ने चरण-II के लिए सहायता बढ़ाई है जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड के माध्यम से कैंसर की रोकथाम और उपचार तक पहुँचने का विस्तार देना है। चरण-II के लिए वर्ष 2023 से 2028 तक 177 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है।

(ख) राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी) की सदस्यता सभी कैंसर केंद्रों और इस क्षेत्र में कार्यरत व्यावसायिक संस्थाओं के लिए खुली है। वर्ष 2012 में इसके 13 सदस्य थे, जो अब बढ़कर 380 हो गए हैं। कैंसर केंद्र, धर्मार्थ संगठन और अनुसंधान संस्थान इसके सदस्य हैं। एनसीजी की सदस्यता प्राप्त करने के लिए और अन्य योग्य संस्थाएं पंजीकरण करा सकती हैं।

(ग) एनसीजी ने कैंसर देखभाल के लिए इष्टतम इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड प्लेटफॉर्म हेतु मानदंड निर्धारित किए हैं और संस्थाओं को इन मानकों के अनुरूप अपने इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड (ईएमआर) उन्नत/विकसित करने में सहायता की है। ये ईएमआर भविष्य में कैंसर से संबंधित डेटा एकत्र करने में सहायता कर सकते हैं।

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) द्वारा समर्थित नैदानिक नेटवर्क के तहत, टीएमसी केंद्रों सहित 11 एनसीजी केंद्र स्तन, कोलोरेक्टल, पित्ताशय, लिम्फोमा, क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) और फेफड़ों का कैंसर संबंधी डेटा संग्रहित कर रहे हैं। इस पहल से 36000 रोगियों पर डेटा संग्रहित किया जा चुका है।

एनसीजी समर्थित हेमेटोलॉजिकल कैंसर सहायता संघ (कंसोर्टियम) रक्त कैंसर रोगियों पर डेटा संग्रहित कर रहा है और उसके पास 30000 रोगियों की जानकारी संग्रहित हो गई है।

*****